शिक्षा निदेशालय

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली

साप्ताहिक पाठ्यक्रम

2010-2011

विषय- **संस्कृत**

कक्षा-VIII

निर्देशक :-

श्रीमती अनीता सेतिया
उपशिक्षा निदेशक
जिला-दक्षिणी
नई दिल्ली

डा. संजय चतुर्वेदी
प्रधानाचार्य
कौ. रा. स. बाल.विद्यालय
चिराग इन्क्लेव न.दि.

तैयार-कर्ता

श्री अनुपम मिश्रा
टी.जी.टी.(**संस्कृत**)
कौटिल्य सर्वोदय बाल विद्यालय
चिराग इनक्लेव नई दिल्ली

श्री शक्तिधर पांडेय अकेला
टी.जी.टी.(**संस्कृत**)
कौटिल्य सर्वोदय बाल विद्यालय
चिराग इनक्लेव नई दिल्ली

साप्ताहिक सत्रीय पाठ्यक्रम 2010–2011
विषय : संस्कृतम्
कक्षा–अष्टमी
पाठ्य पुस्तक का नाम– रूचिरा तृतीयो भागः

महीनों के नाम	**सप्ताह**	**दिनांक/दिन एवं कालांश**	**पाठ का नाम**	**पाठ्य विवरण**
अप्रैल 2010	प्रथम	1–4–2010 से 3–4–20010 दिन–2 कालांश–2	व्याकरण	पूर्व कक्षा में पाठ्यक्रम के ज्ञानोपार्जन की पुनरावृत्ति
अप्रैल 2010	द्वितीय	5–4–2010 से 09–4–2010 दिन–5 कालांश–5	धातु रूप शब्द रूप	धाव्, हस्, रक्ष् धातुओं का लङ् लकार में प्रयोग – आकारान्त स्त्रीलिंग शब्दः लता, रमा आदिवत् –किम्, सर्वनाम तीनों लिंगों में।
अप्रैल 2010	तृतीय	12–4–2010 से 17–4–2010 दिन–6 कालांश–6	मंगलम्' सुभाषितानि' (प्रथमः पाठः)	– मंगलाचरणम् – सस्वर वाचन, शुद्धोच्चारण, भावार्थावबोधनम, – श्लोको का अन्वय, सरलार्थ, पदों का सन्धि विच्छेद, पद्यों को स्मरणार्थ प्रेरित करना, नैतिक मूल्यों का निर्देष व उल्लेख। – प्रश्न निर्माण का अभ्यास। – कर्ता व क्रिया का ज्ञान।
अप्रैल 2010	चतुर्थ	19–4–2010 से 24–4–2010 दिन–6 कालांश–6	बिलस्य वाणी न कदापि में श्रुता (द्वितीयः पाठः)	– वाचन–अनुवाचन, काठिन्य निवारण, प्रश्नोत्तर विधि द्वारा पाठ का अवबोधनम, नवीन शब्दों के भण्डार में वृद्धि, घटनाक्रमानुसार वाक्य लिखवाना। – अव्ययों का ज्ञान– वाक्यों में रिक्त स्थान पूर्ति द्वारा

अप्रैल 2010	पंचम	26–4–2010 से 01–5–2010 दिन–6 **कालांश–6**	धातु रूप शब्द रूप	– लट्, लृट व लड़. लकारों में वाक्य रचना। – इकारान्त स्त्रीलिंग शब्दः भूमि, स्त्री आदिवत्। – उकारान्त शब्दः मधु, साधु आदिवत्। – नकरान्त पुल्लिंग शब्द रूप राजन, आत्मन आदि।
मई 2010	प्रथम	03–5–2010 से 07–5–2010 दिन–5 **कालांश–5**	संख्यावाची शब्द रूप धातु रूप	– 1 से 20 तक की संख्याओं का ज्ञान, पहाड़ों के माध्यम से – 'इष्' धातु लट्, लृट व लड़. लकार में। **गृहकार्य देना (ग्रीष्म कालीन अवकाश)**
मई-जून 2010		10–5–2010 से 25–06–2010		10 /05/2010 **से** 25/05/2010 **तक**
जुलाई 2010	प्रथम	26–06–2010 से 03–7–2010 दिन–7, **कालांश–7**	भगवद्ज्जुकम् (तृतीयः पाठः) शब्द रूप विधिलिंड्.लकार	– वाचन–अनुवाचन, काठिन्य निवारण, शुद्धेच्चारण, शब्दों के अर्थों के ज्ञान में विस्तार। – 'इदम्' सर्वनाम शब्द रूप तीनों लिंगों में, प्रत्येक लिंग में शब्द रूपों से वाक्य रचना। – पठ्, खेल, खाद् व हस् धातुओं का लोट् व विधिलिंड्. लकारों में प्रयोग करना।
जुलाई 2010	द्वितीय	05–07–2010 से 09–7–2010 दिन–5, **कालांश–5**	शब्द रूप सदैव पुरतोनिधेहि चरणम् (चतुर्थः पाठः)	– गुणिन् व दण्डिन् शब्द रूप। – वाचन– अनुवाचन, शब्दों के भण्डार में वृद्धि, सरलार्थ व भावार्थ करवाना, शुद्धोच्चारण।
जुलाई 2010	तृतीय	12–07–2010 से 17–7–2010 दिन–, **कालांश–6**	कारक व विभक्तियाँ संख्यावाची शब्द	– कारक और विभक्तियों के चिन्हों का ज्ञान तथा वाक्य प्रयोग के द्वारा विस्तृत जानकारी देना। 21 से 50 तक की संख्याओं का पहाड़ों के माध्यम से

				ज्ञान देना।– अस्माकं विद्यालयः पर पाँच वाक्य लिखवाना।
जुलाई 2010	चतुर्थ	19–07–2010 से 24–7–2010 दिन–6, **कालांश**–6	''धर्मे धमनं पापे पुण्यम्'' (पंचमः पाठः)	– वाचन–अनुवाचन, शुद्धोच्चारण, काठिन्य निवारण, प्रश्नोत्तर विधि से पाठ का अवबोधनम्। अभ्यास एवं प्रश्नोत्तर करवाना।
जुलाई 2010	पंचम	26–07–2010 से 31–7–2010 दिन–6, **कालांश**–6	ऋकारान्त स्त्रीलिंड. शब्द रूप धातु रूप	– मातृ व स्वसृ शब्द रूप। – 'मम पुस्तकालयः' पर पांच वाक्य लिखवाना। – 'पा' व 'नी' धातुओं का पांचों लकारों में प्रयोग।
अगस्त 2010	प्रथम	02–08–2010 से 07–08–2010 दिन–6, **कालांश**–6	उपसर्ग व प्रत्यय क्त्वा, तुमन् व ल्यप् प्रत्ययों का प्रयोग, धातु रूप	– उपसर्ग व प्रत्ययों का अन्तर स्पष्ट करना व वाक्यों मं प्रयोग करना। – शब्दों में उपसर्ग व प्रत्ययों को पृथक करना। – अस् व कृ धातु पांचों लकारों में।
अगस्त 2010	द्वितीय	09–08–2010 से 13–08–2010 दिन–5, **कालांश**–5	प्रेमलस्य प्रेमलयाश्च कथा (षष्ठः पाठः)	– वाचन–अनुवाचन, शुद्धोच्चारण, काठिनय निवारण, प्रश्नोत्तर विधि से पाठ का अवबोधन।
अगस्त 2010	तृतीय	16–08–2010 से 21–08–2010 दिन–6, **कालांश**–6	पुनरावृत्ति	– पूर्वपठित पाठों का अभ्यास। – तद्भव व तत्सम शब्दों का ज्ञान। **उपसर्ग व प्रत्ययो का अभ्यास**
अगस्त 2010	चतुर्थ	23–08–2010 से 28–08–2010 दिन–6, **कालांश**–6	पुनरावृत्ति	– पूर्वपठित शब्द रूपों व धातुरूपों का अभ्यास
सितम्बर 2010	प्रथम	30–08–2010 से 04–09–2010 दिन–5, **कालांश**–5	पुनरावृत्ति	**पूर्व पठित पाठों का अभ्यास पूर्व पठित व्याकरण का अभ्यास**
सितम्बर	द्वितीय	06–09–2010 से	पुनरावृत्ति	**पूर्व पठित पाठों का अभ्यास पूर्व पठित व्याकरण का अभ्यास**

2010		10–09–2010 दिन–4, **कालांश**–4		C.C.E.P. 08/09/2010
सितम्बर 2010	तृतीय	13–09–2010 से 20–09–2010 दिन–8, **कालांश**–8	प्रथमावधिक परीक्षा (सितम्बर 2010)	– परीक्षा कार्य एवं उत्तर पुस्तिकाओं की जांच
सितम्बर 2010	चतुर्थ	21–09–2010 से 25–09–2010 दिन–5, **कालांश**–5	उत्तर पुस्तिकाओं का अवलोकन एवं **प्रश्नपत्र** की चर्चा सन्धि व भेद	– उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य, मूल्यांकित व परीक्षित उत्तर पुस्तिकाओं को छात्रों को दिखाना। – प्रश्नपत्र की चर्चा एवं समाधान, **प्रश्नपत्र** को पुनः हल करना।– सन्धि की परिभाषा व भेदों के नाम। स्वर सन्धि – भेदों व उदाहरण सहित।
सितम्बर 2010	पंचम	27–09–2010 से 30–09–2010 दिन–4, **कालांश**–4	विशेषण तथा विशेष्य चित्र के माध्यम से वाक्य निर्माण	– विशेषण तथा विशेष्यों का ज्ञान। – चित्रों के माध्यम से वाक्य निर्माण। **शारदीय अवकाश हेतु गृहकार्य देना**
अक्टूबर 2010		01–10–2010 से 17–10–2010 दिन–17	**शरदकालीन व कामनवेल्थ खेलों के दौरान अवकाश** 08-10-2010 से 16-10-2010	
अक्टूबर 2010	तृतीय	18–10–2010 से 23–10–2010 दिन–5, **कालांश**–5	'जलवाहिनी' (सप्तमः पाठः) सन्धि व भेद	– सस्वर वाचन, शुद्धोच्चारण, काठिन्य निवारण, सरलार्थ एवं भावार्थ कराना, **प्रश्नोत्तर** व अभ्यास कार्य करवाना।
अक्टूबर 2010	चतुर्थ	25–10–2010 से 30–10–2010 दिन–6, **कालांश**–6	''संसार सागरस्य नायकः'' (अष्टमः पाठः)	–वाचन–अनुवाचन, कठिन शब्दों के अर्थ, शुद्धोच्चारण, काठिनय निवारण, पाठ के i'ukRrj व अभ्यास कार्य करवाना। – ''आदर्श दैनिकचर्या'' पर 5 वाक्य।

नवम्बर 2010	प्रथम	01–11–2010 से 06–11–2010 दिन–5, कालांश–5	सप्तमगिन्यः (नवमः पाठः)	– संवाद शैली में वाचन–अनुवाचन, शुद्धोच्चारण नए शब्दों के भण्डार में वृद्धि, प्रश्नोत्तर एवं अभ्यास कार्य कराना।
नवम्बर 2010	द्वितीय	08–11–2010 से 12–11–2010 दिन–5, कालांश–5	उपपद foHkfDr;k शब्द रूप	– अभितः, परितः, सर्वतः, उभयतः, धिक् शब्दों के साथ द्वितीया विभक्ति का प्रयोग। – सह्, साकम्, सार्धम् के साथ तृतीया विभक्ति का प्रयोग। – यत् व तत् सर्वनाम शब्द तीनों लिंगों में।
नवम्बर 2010	तृतीय	15–11–2010 से 20–11–2010 दिन–5, कालांश–5	अशोकवानिका (दशमः पाठः)	– संवाद शैली में वाचन–अनुवाचन, शुद्धोच्चारण, नए शब्दों के भण्डार में वृद्धि, प्रश्नोत्तर एवं अभ्यास कार्य कराना, –व्याकरण सम्बन्धी अभ्यास
नवम्बर 2010	चतुर्थ	22–11–2010 से 27–11–2010 दिन–6, कालांश–6	सावित्रीबाई फुले (एकादशः पाठः)	– वाचन–अनुवाचन, शुद्धोच्चारण, काठिन्य निवारण, प्रश्नोत्तर विधि से पाठ का अवबोधनम, प्रश्नोत्तर एवं अभ्यास कार्य – व्याकरण सम्बन्धी अभ्यास – लट् लकार को लड्.लकार में बदलना।
दिसम्बर 2010	प्रथम	29–11–2010 से 04–12–2010 दिन–6, कालांश–6	शब्द रूप धातु रूप	– ‘rr* व ‘एतत्’ सर्वनाम शब्द तीनों लिंगों में। – क्रीड् व भू धातु पांचों लकारों में। – चित्र के माध्यम से वाक्य निर्माणं
दिसम्बर 2010	द्वितीय	06–12–2010 से 10–12–2010 दिन–4, कालांश–4	पुनरावृत्ति सी.सी.ई.पी.	– व्याकरण, शब्द रूप व धातु रूपों की मौखिक व लिखित रूप से पुनरावृत्ति।

				10–12–2010 को सी.सी.ई.पी
दिसम्बर 2010	तृतीय	13–12–2010 से 22–12–2010 दिन–10	द्वितीय आवधिक परीक्षा	– द्वितीयावधिक परीक्षा व उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन
दिसम्बर 2010	चतुर्थ	23–12–2010 से 24–12–2010 दिन–2, **कालांश**–2	– उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन उत्तर पुस्तिकाएं छात्रों का दिखाना, प्रश्नपत्र चर्चा	– उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन उत्तर पुस्तिकाएं छात्रों **को** दिखाना, **प्रश्नपत्र** की चर्चा एवं हल करवाना, अभिभावकों को उचित निर्देश देना।
दिसम्बर 2010		27–12–2010 से 07–01–2011	शीतकालीन **अवकाश**	
जनवरी 2011	प्रथम	10–01–2011 से 15–01–2011 दिन–6, **कालांश**–6	कः रक्षति कः रक्षितः (द्वादशः पाठः)	– वाचन–अनुवाचन, शुद्धोच्चारण, कठिन शब्दार्थ एवं प्रश्नोत्तर विधि से पाठावबोधन,प्रश्नोत्तर एवं अभ्यास कार्य कराना।
जनवरी 2011	द्वितीय	17–01–2011 से 22–01–2011 दिन–6, **कालांश**–6	51 से 100 तक संख्याए	– 51 से 100 तक की संख्याओं का पहाड़ों के माध्यम से जानकारी देना। – 'पर्यावरण' पर पांच वाक्य लिखवाना।
जनवरी 2011	तृतीय	24–01–2011 से 29–01–2011 दिन–5, **कालांश**–5	हिमालयः (त्रयोदशः पाठः)	–सस्वर वाचन, सरलार्थ व भावार्थ, काठिन्य निवारण, शुद्धोच्चारण, प्रश्नोत्तर एवं अभ्यास कार्य कराना। – 'हिमालयः' पर पांच वाक्य लिखना।
जनवरी 2011	चतुर्थ	31–01–2011 से 05–02–2011 दिन–6, **कालांश**–6	आर्यभट्ट (चतुर्दशः पाठः)	– वाचन–अनुवाचन, कठिन शब्दार्थ, शुद्धोच्चारण, प्रश्नोत्तराविधि द्वारा पाठ का अवबोधन, नवीन शब्दों के भण्डार में वृद्धि, प्रश्नोत्तर एवं अभ्यास कार्य।
फरवरी	प्रथम	07–02–2011 से	प्रहेलिकाः	– वाचन–अनुवाचन, सरलार्थ,

2011		11—02—2011 दिन—5, **कालांश**—5	(पंचद**श**ः पाठः)	पहेलियों के उत्तर, अभ्यास कार्य करवाना।
फरवरी 2011	द्वितीय	14—02—2011 से 19—02—2011 दिन—6, **कालांश**—6	रचनात्मक कार्यम्	— अस्मद् व युष्मद् सर्वनाम् शब्द रूप — पहेलियों का चयन एवं चार्ट बनाना। — पर्यावरण सम्बन्धी चार्ट। — संख्यावाची शब्दों का चार्ट।
फरवरी 2011	तृतीय	21—02—2011 से 28—02—2011 दिन—5, **कालांश**—5	पुनरावृत्ति प्रथम से तृतीय सत्र तक	— प्रथम सत्र से तृतीय सत्र की पूर्ण पुनरावृत्ति।
मार्च 2011		01—3—2011 से 31—3—2011	वार्षिक परीक्षा	— परीक्षा कार्य व उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 31/03/2011 **परीक्षा परिणाम घोषणा**